# भारतीय IT पेशेवरों के लिए अच्छी खबर अमेरिकी ग्रीन कार्ड पाने की राह हुई आसान, बिल पास

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

**अगर यह कानून बन जाएगा तो इससे 3,00,000 भारतीय एच-1बी अस्थायी वर्क वीजा धारकों को मदद मिलेगी जो इस समय अमेरिका में ग्रीन कार्ड पाने की प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में हैं.**

**न्यूयार्क.**अमेरिकी प्रतिनिधिसभा ने भारतीय प्रौद्योगिकी पेशेवरों को स्थायी निवास प्राप्त करने में मदद करने के मकसद से एक विधेयक पारित किया है जिससे उनकी एक दशक की प्रतीक्षा जल्द समाप्त हो जाएगी. हालांकि सीनेट में इसे अनपेक्षित अचड़न का सामना करना पड़ रहा है. दोनों दलों के 311 प्रतिनिधियों द्वारा प्रायोजित विधेयक को बुधवार को स्वीकार किया गया. इससे एक साल के दौरान स्थायी निवास यानी ग्रीन कार्ड प्राप्त करने की संख्या पर लगी सीमाएं समाप्त हो जाएगी.

अगर यह कानून बन जाएगा तो इससे 3,00,000 भारतीय एच-1बी अस्थायी वर्क वीजा धारकों को मदद मिलेगी जो इस समय अमेरिका में ग्रीन कार्ड पाने की प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में हैं. मौजूदा व्यवस्था के तहत किसी देश के लोगों को सालाना कुल 26,000 ग्रीन कार्ड का सात फीसदी ही मिल सकता है. यह सीमा भारत और चीन जैसे बड़े देशों के लिए जितनी है उतनी ही मालदीव और लक्जेमबर्ग जैसे छोटे देश के लिए है. इस कोटे से भारतीय प्रौद्योगिकी पेशेवर और अन्य सुयोग्य व्यक्तियों को स्थायी निवास पाने में 10 साल तक इंतजार करना पड़ जाता है जबकि वे पहले से ही वहां अस्थायी एच-1बी वर्क वीजा पर होते हैं और उनको अपने परिवार व भविष्य की संभावनाओं को लेकर अनिश्चितताओं के दौर से गुजरना पड़ता है.

आधिकारिक रूप से इस विधेयक को फेयरनेस फॉर हाई-स्किल्ड इमिग्रेंट्स एक्ट 2019 कहा गया है जिसमें ग्रीन कार्ड की तय सीमा हटाने की मांग करते हुए पहले दो साल के दौरान भारत और चीन के लोगों को 85 फीसदी ग्रीन कार्ड प्रदान करने की बात कही गई है.

इसके बाद तीसरे साल 90 फीसदी प्रदान करने की बात कही गई है जिससे लंबित मामलों को निपटाया जा सके. सदन में इसके पक्ष में डेमोक्रेट के सदस्यों के 224 वोट और रिपब्लिकन के 140 वोट पड़े.

# Pakistan: मीडिया को इंटरव्यू दे रही थीं मरियम नवाज, उसके बाद जो हुआ वो बेहद शर्मनाक था

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान में प्रेस की स्वतंत्रता पर हमले की एक और घटना सामने आई है। गुरुवार को पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ की बेटी मरियम नवाज़ का इंटरव्यू जबरन रोक दिया गया है। एक पाकिस्तानी न्यूज चैनल पर पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज़ (PML-N) की नेता मरियम नवाज़ के इंटरव्यू को शुरू होने के चंद मिनट बाद ही रुकवा दिया गया।

इससे पहले 1 जुलाई को पाकिस्तान के वरिष्ठ पत्रकार हामिद मीर द्वारा पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के इंटरव्यू को प्रसारित होने के कुछ ही मिनटों के भीतर ही रोक दिया गया था।

इंटरव्यू रोके जाने के को लेकर 'हम न्यूज' में काम करने वाले पाकिस्तानी पत्रकार नदीम मलिक ने ट्वीट कर बताया कि अभी-अभी मरियम नवाज़ के इंटरव्यू को जबरदस्ती रोक दिया गया है। हालांकि, नदीम मलिक के ट्विटर हैंडल पर मरियम नवाज़ का पूरा इंटरव्यू उपलब्ध था।

वहीं समाचार चैनल ने भी इंटरव्यू रोके जाने के तुरंत बाद अपने ट्विटर हैंडल पर एक बयान पोस्ट किया।समाचार चैनल ने लिखा कि हमारा चैनल एक स्वतंत्र और जिम्मेदार मीडिया में विश्वास करता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करना हमारे मूल नियमों में से एक है।

बता दें कि इससे पहले मरियम नवाज़ की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस दिखाने के लिए तीन पाकिस्तानी समाचार चैनलों को नोटिस जारी किया गया था। उनका प्रेस कॉन्फ्रेंस भी बीच में रोक दिया गया था। इन समाचार चैनलों को पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया नियामक प्राधिकरण (PEMRA) के आदेश पर ऑफ एयर किया गया था। मरयम ने तब इस घटना को अविश्वसनीय और शर्मनाक करार दिया था। बता दें कि 6 जुलाई को मरियम नवाज़ ने जवाबदेही अदालत के न्यायाधीश अरशद मलिक का एक वीडियो जारी किया था, जिसमें मरियम ने बताया कि उनके पिता के खिलाफ सबूतों की कमी होने के बावजूद भी जेल में डाल दिया गया। मरियम ने आरोप लगाया की जज अरशद मलिक ने कथित तौर पर स्वीकार किया है कि नवाज शरीफ को सजा सुनाने के लिए उन्हें धमकी दी गई थी। हालांकि, न्यायाधीश ने नवाज़ शरीफ की बेटी द्वारा लगाए गए आरोपों का खंडन किया था।

आपको यहां पर बता दें कि NAB Court के जज अरशद मलिक ने ही देश के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को पिछले साल अल-अजीजिया स्टील मिल भ्रष्टाचार मामले में सात साल की कैद की सजा सुनाई थी। इसके अलावा उन्हें लंदन के आलीशान फ्लैट के मामले में भी सजा सुनाई जा चुकी है।

## एयर कनाडा के विमान में टर्बुलेंस से 37 लोग घायल, सिडनी जा रही थी फ्लाइट

**ओटावा .**वेंकूवर से सिडनी जा रहे एयर कनाडा के एक विमान में अचानक से तीव्र टर्ब्यूलेंस हुआ जिसमें कम से कम 37 यात्री घायल हो गए हैं. विमानन सेवा ने यह जानकारी दी. कैनेडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (सीबीसी) की रिपोर्ट्स के अनुसार, उड़ान संख्या एसी33 गुरुवार सुबह लगभग 6.46 बजे होनोलूलू के अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर पहुंची थी.

एयर कनाडा के प्रवक्ता पीटर फिट्जपैट्रिक ने कहा कि 35 लोग मामूली रूप से चोटिल हुए. हालांकि बाद में होनोलूलू के आपातकालीन विभाग के अधिकारियों ने घायलों की संख्या 37 कर दी. फिट्सपैट्रिक ने कहा कि बोइंग 777-200 में 269 यात्रियों के अलावा विमान संचालन के 15 सदस्य भी थे और इसके हवाई पहुंचने में अभी लगभग के दो घंटों का समय था जब इसमें घातक टर्ब्यूलेंस हुआ.

अमेरिकी संघीय विमानन प्रशासन के प्रवक्ता इयान ग्रेगर ने कहा कि टर्ब्यूलेंस होनोलूलू के लगभग 966 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में जमीन से 10,973 मीटर (36,000 फीट) ऊपर हुआ. एक महिला यात्री ने कहा कि टर्ब्यूलेंस से उन्हें तेज झटका लगा. एयर कनाडा ने कहा कि सिडनी के विमान सेवा शुक्रवार को बहाल हो सकती है. **एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

# लंदन में पाकिस्तान विदेश मंत्री कुरैशी को 'मीडिया की आजादी' को लेकर पत्रकार ने किया शर्मिंदा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

**लंदन.** पाकिस्तान की सरकार मीडिया पर हावी होने की भरपूर कोशिश कर रही है। सरकार के खिलाफ बोलने वाले पत्रकारों पर हमले हो रहे हैं, विपक्षी नेताओं के इंटरव्यू के टेलीकास्ट पर रोक लगाई जा रही है, न्यूज चैनलों पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है। ऐसे में लंदन में गुरुवार को हुई ग्लोबल कॉन्फ्रेंस फोर मीडिया फ्रीडम में पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को तीखे सवालों का सामना करना पड़ा।

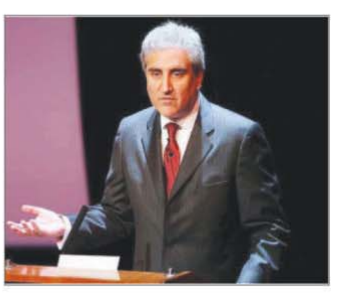

पाकिस्तान में मीडिया पर बढ़ती सेंसरशिप की रिपोर्टों के बीच पाकिस्तानी विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को यहां संवाददाता सम्मेलन में एक कनाडाई पत्रकार ने बीच में रोक दिया। पत्रकार ने आरोप लगाया कि सरकार की शिकायतों के बाद उसका सोशल मीडिया अकाउंट निलंबित कर दिया गया। हालांकि, कुरैशी ने आरोप से इनकार किया और कहा कि उन्होंने ऐसा नहीं किया है पाकिस्तान की सरकार ने यह निर्णय लिया है। एक्टिविस्ट ने कुरैशी से बेहद सख्त लहजे में पूछा था- आप कौन होते हैं, मुझे सोशल मीडिया पर सेंसर करने वाले? उन्होंने ट्वीट किया, ट्विटर ने मेरा पूरा अकाउंट बंद नहीं किया बल्कि उन्होंने एक ट्वीट हटा दिया जिसे उन्होंने बताया कि वह पाकिस्तानी कानून का उल्लंघन करता है। ट्विटर ने मुझे एक ईमेल में यह कहा। मैं कनाडा में हूं। ट्विटर अमेरिका में है लेकिन पाकिस्तान ने हमें सेंसर कर दिया।

इन आरोपों पर कुरैशी ने कहा, पहली बात अगर आप चाहते हैं कि आपकी भावनाओं की कद्र हो तो अपनी भाषा को देखो। क्या यह सही तरीका है? आपको सवाल पूछने का अधिकार है। आपके दोहरे मापदंड है जिसे आप आजादी कहते है। कई बार आप कुछ खास एजेंडा चला रहे होते हैं। उन्होंने तीन टीवी चैनलों को बंद करने, पत्रकारों की गिरफ्तारी और सेंसरशिप के गहराते संकट पर कहा कि पत्रकारों का मुंह बंद करने का कोई सवाल ही नहीं है

कुरैशी बृहस्पतिवार को यहां 'मीडिया की आजादी की रक्षा करो' पर एक संवाददाता सम्मेलन कर रहे थे, उसी समय यह घटना हुई। इससे कुछ दिन पहले पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया नियामक प्राधिकरण ने जेल में बंद पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के साक्षात्कार का प्रसारण करने के लिए तीन निजी टीवी चैनलों का ट्रांसमिशन रद कर दिया।

यह कदम तब उठाया गया, जब पाकिस्तान सरकार ने जेल में बंद नेताओं जैसे कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और जरदारी को प्रेस में दी जा रही कवरेज को रोकने का फैसला किया है।

बता दें कि गुरुवार को पाकिस्तान में प्रेस की स्वतंत्रता पर हमले की एक और घटना सामने आई है। गुरुवार को पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ की बेटी मरियम नवाज़ का इंटरव्यू जबरन रोक दिया गया है। एक पाकिस्तानी न्यूज चैनल पर पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज़ (क्करू-ह) की नेता मरियम नवाज़ के इंटरव्यू को शुरू होने के चंद मिनट बाद ही रोक दिया गया।